महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय
आजमगढ़, उ0प्र0

स्नातकोत्तर (एम०ए०) हिन्दी पाठ्यक्रम

(स्नातक शोध सहित/स्नातकोत्तर हिन्दी)

(द्विवर्षीय पूर्णकालिक)

सी.बी.सी.एस. एवं सेमेस्टर प्रणाली

Azamgarh University

स्नातकोत्तर (एम०ए०) हिन्दी पाठ्यक्रम

(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सत्र 2022–23 से प्रभावी)

प्रो० कंचन राय

संयोजक, हिन्दी अध्ययन परिषद

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय

आजमगढ़ उ0प्र0

बी०ए० एवं एम०ए० हिन्दी पाठ्यक्रम समिति (अध्ययन परिषद)

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़

संयोजक एवं अध्ययन परिषद के सदस्यों के नाम –

संयोजक	**प्रो० कंचन राय**, अध्यक्ष हिन्दी विभाग, डी०सी०एस०के० पी०जी० कॉलेज मऊ
स्नातकोत्तर	1. **प्रो० परवीन निजाम अंसारी,** शिब्ली नेशनल कॉलेज आजमगढ़ 2. **प्रो० गीता सिंह**, अध्यक्ष हिन्दी विभाग डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज आजमगढ़ 3. **प्रो० शिखा तिवारी**, हिन्दी विभाग डी०सी०एस०के० पी०जी० कॉलेज मऊ
स्नातक	1. **प्रो० देवेंद्र प्रताप सिंह,** हिन्दी विभाग कूबा पी०जी० कॉलेज दरियापुर, नेवादा आजमगढ़ 2. **एसो० प्रो० डॉ० निर्मला सिंह**, अध्यक्ष हिन्दी विभाग मर्यादा पुरुषोत्तम पी० जी० कॉलेज भुड़सुरी, रतनपुरा मऊ 3. **डॉ० मदन मोहन पाण्डेय**, श्री शिवा डिग्री कॉलेज, तेरही, कप्तानगंज आजमगढ़
बाह्य विशेषज्ञों के नाम	1. **प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी**, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 2. **प्रो० राकेश सिंह,** इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

कुलसचिव कार्यालय द्वारा जारी पत्र के पत्रांक संख्या 2150/कु0का0/2023 एवं माननीय कुलपति महोदय के आदेश दिनांक 11/09/2023 द्वारा नामित बी०ए० एवं एम०ए० हिन्दी अध्ययन परिषद के संयोजक सहित बाह्य विशेषज्ञों एवं सदस्यों द्वारा कारित एवं पारित।

सदस्यों के हस्ताक्षर – **बाह्य विशेषज्ञों के हस्ताक्षर –**

1. प्रो० कंचन राय	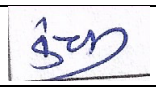	**1. प्रो० वशिष्ठ द्विवेदी**	
2. प्रो० परवीन निजाम अंसारी		**2. प्रो० राकेश सिंह**	
3. प्रो० गीता सिंह			
4. प्रो० शिखा तिवारी			
5. प्रो० देवेंद्र प्रताप सिंह	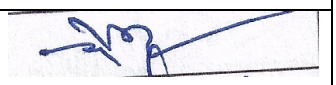		
6. एसो० प्रो० निर्मला सिंह	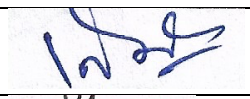		
7. डॉ० मदन मोहन पाण्डेय	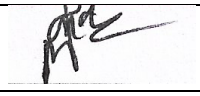		

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप (एम०ए० हिन्दी) पाठ्यक्रम सत्र 2022–2023 से लागू।

निर्देश :

स्नातकोत्तर हिन्दी विषय के इस पाठ्यक्रम में कुल **4 सेमेस्टर** होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर में **4–4** प्रश्न–पत्रों की लिखित परीक्षा होगी। चारों सेमेस्टर के सभी प्रश्न–पत्रों की लिखित परीक्षा हेतु **75 अंक** तथा आतंरिक मूल्यांकन हेतु **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र हेतु **5 क्रेडिट** निर्धारित हैं।

प्रश्न–पत्रों का विभाजन :

प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन खण्डों में विभाजित है – (खण्ड क, ख एवं ग)

खण्ड–क :

- इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से अति–लघु उत्तरीय प्रकार के कुल **10** प्रश्न पूछे जाएँगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे, प्रत्येक प्रश्न के लिए **2** अंक निर्धारित है। इस प्रकार इस खण्ड में कुल **10X2=20** अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द सीमा **50** होगी।

खण्ड–ख :

- इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से लघु–उत्तरीय प्रकार के कुल **5** प्रश्न मुद्रित होंगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। इसमें व्याख्या के **3** प्रश्न होंगे। तीनों प्रश्न अनिवार्य होंगे। **2** प्रश्न वैकल्पिक होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए **5** अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार इस खण्ड में कुल **5X5=25** अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द सीमा **50** होगी।

खण्ड–ग :

- इस खण्ड में सम्बंधित सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से निबंधात्मक व समीक्षात्मक प्रकार के कुल **4** प्रश्न मुद्रित होंगे जिनमें से केवल **2** प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए **15** अंक निर्धारित हैं। इस प्रकार इस खण्ड में कुल **2X15=30** अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए अधिकतम शब्द सीमा **500** होगी।

✦ **सेमेस्टर 1, 2, 3, 4 के प्रत्येक प्रश्न–पत्र हेतु अंक विभाजन सारणी :**

खण्ड (क)	अति–लघु उत्तरीय प्रश्न	**10 X 2 = 20** अंक (**50** शब्द)
खण्ड (ख)	लघु उत्तरीय प्रश्न (व्याख्या सहित)	**5 X 5 = 25** अंक (**200** शब्द)
खण्ड (ग)	दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(निबंधात्मक प्रश्न)	**2 X 5 = 30** अंक (**500** शब्द)
कुल		लिखित पूर्णांक = **75** आतंरिक मूल्यांकन = **25** पूर्णांक **75 + 25 = 100** प्रत्येक प्रश्न पत्र के **5** क्रेडिट व माइनर के **4** क्रेडिट

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़
(राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020)
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु सेमेस्टर वार प्रश्न–पत्र (विषय–हिन्दी) स्नातकोत्तर (शोध सहित)

एम०ए० (प्रथम वर्ष)

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्न–पत्र / कोर्स	प्रश्न–पत्र / कोर्स कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	लिखित / प्रायोगिक	कालांश / व्याख्यान	पूर्णांक	क्रेडिट
एम0ए0 प्रथम वर्ष	प्रथम / सप्तम्	प्रथम	A010701T	आदिकालीन काव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A010702T	निर्गुण काव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		तृतीय	A010703T	नाट्य साहित्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A010704T	भारतीय काव्य शास्त्र एवं शोध प्रविधि	लिखित	75	100 (25+75)	05
		पंचम	A010705R	वृहद शोध परियोजना	शोध प्रबंध / डिजर्टेशन	50	100 (25+75)	04
एम0ए0 प्रथम वर्ष	द्वितीय / अष्टम्	प्रथम	A010801T	सगुण काव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	A010802T	रीतिकाव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		तृतीय	A010803T OR A010804T	उपन्यास अथवा कहानी	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	A010805T OR A010806T	हिन्दी आलोचना अथवा निबंध	लिखित	75	100 (25+75)	05
		पंचम	A010807R	वृहद शोध परियोजना	शोध प्रबंध / डिजर्टेशन	50	100 (25+75)	04

नोट :–

- स्नातकोत्तर **प्रथम / सप्तम्** एवं **द्वितीय / अष्टम्** सेमेस्टर में प्रदत्त **(वृहद् शोध परियोजना 4+4=8 क्रेडिट)** का एक अनिवार्य प्रश्न–पत्र है जिसके लिए कुल **100** अंक निर्धारित है। इस प्रश्न–पत्र का संयुक्त मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा नामित परीक्षक के माध्यम से किया जायेगा।
- स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में अभ्यर्थियों को एक माइनर इलेक्टिव पेपर (मुख्य विषय से अलग) किसी अन्य संकाय से चयन करना होगा जो **04** क्रेडिट का होगा।
- स्नातकोत्तर **द्वितीय / अष्टम्** सेमेस्टर के **तृतीय** एवं **चतुर्थ** प्रश्न–पत्र हेतु वैकल्पिक व्यवस्था की गई है जिसमे से अभ्यर्थी को दोनों प्रश्न–पत्रों से किसी एक विकल्प (प्रथम अथवा द्वितीय) का चयन करना होगा।

- **इस प्रकार प्रथम वर्ष का क्रेडिट विवरण :–**

  40 क्रेडिट (प्रथम एवं **द्वितीय** सेमेस्टर के चारों मुख्य पेपर) **+ 04 क्रेडिट** (माइनर इलेक्टिव पेपर) **+ 08 क्रेडिट** (वृहद् शोध परियोजना) **= 52 क्रेडिट** उपलब्ध होंगे।

एम०ए० (द्वितीय वर्ष)

वर्ष	सेमेस्टर	प्रश्न–पत्र / कोर्स	प्रश्न–पत्र / कोर्स कोड	प्रश्न पत्र का शीर्षक	लिखित / प्रयोगिक	कालांश / व्याख्यान	पूर्णांक	क्रेडिट
एम0ए0 द्वितीय वर्ष	तृतीय / नवम	प्रथम	**A010901T**	भाषा विज्ञान	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	**A010902T**	हिन्दी साहित्य का इतिहास	लिखित	75	100 (25+75)	05
		तृतीय	**A010903T OR A010904T**	भारतेन्दु युगीन काव्य अथवा द्विवेद्वी युगीन काव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	**A010905T OR A010906T**	छायावादी काव्य अथवा छायावादोत्तर काव्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		पंचम	**A010907R**	वृहद शोध परियोजना	शोधप्रबंध / डिजर्टेशन	50	100 (25+75)	04
एम0ए0 द्वितीय वर्ष	चतुर्थ / दशम	प्रथम	**A011001T OR A011002T**	हिन्दी भाषा एवं लिपि अथवा प्रयोजन मूलक हिन्दी	लिखित	75	100 (25+75)	05
		द्वितीय	**A011003T OR A011004T**	राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा अथवा विविध गद्य विधाएँ	लिखित	75	100 (25+75)	05
		तृतीय	**A011005T OR A011006T**	समकालीन काव्य धारा अथवा नवगीत	लिखित	75	100 (25+75)	05
		चतुर्थ	**A011007T OR A011008T**	लोक साहित्य अथवा भोजपुरी साहित्य	लिखित	75	100 (25+75)	05
		पंचम	**A011009R**	वृहद शोध परियोजना	शोध प्रबंध डिजर्टेशन	50	100 (25+75)	04

नोट :–

- स्नातकोत्तर **तृतीय / नवम्** सेमेस्टर में **प्रथम** एवं **द्वितीय** प्रश्न–पत्र अनिवार्य होंगे। **तृतीय** एवं **चतुर्थ** प्रश्न–पत्रों का निर्धारण **प्रथम** विकल्प अथवा **द्वितीय** विकल्प के रूप में किया गया है जिसमें से अभ्यर्थी को किसी एक विकल्प का चयन करना होगा।

- स्नातकोत्तर **चतुर्थ/दशम्** सेमेस्टर के चारों प्रश्न–पत्रों का निर्धारण **प्रथम** विकल्प या **द्वितीय** विकल्प के रूप में किया गया है जिसमें से अभ्यर्थी को किसी एक विकल्प का चयन करना होगा।
- **इस प्रकार द्वितीय वर्ष का क्रेडिट विवरण :–**
  40 क्रेडिट (स्नातकोत्तर **द्वितीय वर्ष तृतीय** एवं **चतुर्थ** सेमेस्टर के चारों मुख्य पेपर) **+ 08 क्रेडिट** (वृहद् शोध परियोजना) **= 48 क्रेडिट** के होंगे।
- अतः द्विवर्षीय पूर्णकालिक एम०ए० पाठ्यक्रम का कुल क्रेडिट **52 + 48 = 100 क्रेडिट** होगा।
- स्नातकोत्तर सभी सेमेस्टर में पंचम प्रश्न–पत्र के लिए प्राध्यापकों को अपनी इच्छानुसार विषय प्रदान करने की स्वतंत्रता होगी।
- स्नातकोत्तर **प्रथम** वर्ष (प्रथम/सप्तम् अथवा द्वितीय/अष्टम् सेमेस्टर) के लिए निर्धारित हिन्दी माइनर (इलेक्टिव) पाठ्यक्रम पृष्ठ सं० 31 पर संलग्न है।

महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़

पाठ्यक्रम विवरण

एवं

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

एम० ए० प्रथम वर्ष : 1st सेमेस्टर (आदिकालीन काव्य)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	प्रथम / सप्तम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010701T**
प्रश्न–पत्र	प्रथम (आदिकालीन काव्य)
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न)(अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**आदिकालीन हिन्दी काव्य का विकास :** ☐ रूप, स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ ☐ समाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ☐ नाथ एवं सिद्ध साहित्य ☐ जैन साहित्य ☐ रासो साहित्य ☐ डिंगल पिंगल	15
II	**चन्दबरदाई :** ☐ रासो काव्य परंपरा की परिचयात्मक पृष्ठभूमि ☐ रासो काव्य परम्परा में ''पृथ्वीराज रासो''का महत्व ☐ चन्दबरदाई की काव्य कला ☐ **व्याख्या –** पृथ्वीराज रासो का ''पद्मावती समय''	15
III	**गोरखनाथ : (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** ☐ जीवनवृत्त, अद्वैतवाद एवं नाथपंथ ☐ नाथपंथ और गोरखनाथ	15

	□ नाथपंथ की विशेषताएँ □ भाषिक रचाव □ व्याख्या – गोरखनाथ : मूल पद	
IV	**विद्यापति : (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** □ जीवनवृत्त, व्यक्तित्व एवं कृतित्व □ विद्यापति : भक्त अथवा शृंगारी □ विद्यापति की काव्य कला □ विद्यापति और अवहट्ट □ **व्याख्या –** 1. कीर्तिलता से दस पद, 2. पदावली से दस पद	15
V	**अब्दुर्रहमान : (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन)** □ अब्दुर्रहमान और उनका संदेशरासक □ अब्दुर्रहमान की सामाजिक चेतना □ अब्दुर्रहमान का काव्यगत वैशिष्ट्य □ विरह काव्य की कसौटी पर ''संदेशरासक'' □ बारहमासा एवं षडऋतु वर्णन की परम्पराएँ और ''संदेशरासक'' □ व्याख्या – 1. सन्देशरासक 2. षडऋतु वर्णन	15

पाठ्य पुस्तक – **आदिकालीन काव्य**

संपादक – **प्रो० मो० हसीन खान**, अध्यक्ष : हिन्दी विभाग, श्री गांधी पी०जी० कॉलेज मालटारी आजमगढ़
प्रो० विजय कुमार, हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

□ हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
□ हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग : डॉ० नामवर सिंह
□ संदेशरासक : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
□ विद्यापति : डॉ० शिवप्रसाद सिंह
□ नाथ सम्प्रदाय : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
□ विद्यापति : सं० डॉ० आनंद प्रकाश दीक्षित
□ गोरखवाणी : सं० डॉ० रामचंद्र तिवारी
□ हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
□ हिन्दी साहित्य : युग एवं प्रवृत्तियाँ : डॉ० शिवकुमार वर्मा
□ गोरखबानी : सं० डॉ० पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल

एम० ए० प्रथम वर्ष : 1st सेमेस्टर (निर्गुण काव्य)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	प्रथम / सप्तम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010702T**
प्रश्न–पत्र	द्वितीय (निर्गुण काव्य)
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**भक्तिकाल :** ☐ भक्तिकाल की प्रमुख धाराएँ ☐ निर्गुण काव्य की प्रवृत्तियाँ ☐ निर्गुण काव्य की शाखाएँ ☐ सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि ☐ भक्ति आंदोलन और वैचारिक आधार	15
II	**कबीर :** ☐ कबीर का जीवन वृत्त ☐ निर्गुण काव्य की परंपरा ☐ निर्गुण काव्य की सामान्य प्रकृति एवं प्रवृत्तियाँ ☐ निर्गुण काव्य परंपरा और कबीर ☐ कबीर और उनका काव्य ☐ कबीर की जीवनी, अनुभूति और अभिव्यक्ति विधान ☐ कबीर की दार्शनिक चेतना और समाज सुधार ☐ कबीर की भक्ति भावना ☐ कबीर की भाषा	15

	☐ **व्याख्या –** 1. साखी के दो अंग – सतगुरु को अंग, ज्ञान–विरह को अंग 2. सबद के दस पद	
III	**संत रैदास :** ☐ रैदास का जीवन वृत्त एवं रचनाएँ ☐ रैदास की भक्ति भावना ☐ सामाजिक समरसता और रैदास का काव्य ☐ बाह्य आडम्बरों का विरोध ☐ **व्याख्या –** रैदास के दस पद	15
IV	**मलिक मुहम्मद जायसी :** ☐ जीवन परिचय ☐ प्रेमाश्रयी शाखा की प्रवृत्तियाँ ☐ प्रेमाख्यान परंपरा में ''पद्मावत'' का स्थान ☐ मसनवी शैली और भाषा ☐ **व्याख्या –** पद्मावत (मानसरोवर खंड)	15
V	**नूर मुहम्मद :** ☐ जीवन परिचय ☐ सूफी काव्य परंपरा में ''इन्द्रावत'' का स्थान ☐ प्रेमाख्यान महाकाव्य की कसौटी पर ''इन्द्रावत'' ☐ नूर मुहम्मद का विरह वर्णन एवं भाषा ☐ **व्याख्या –** ''इन्द्रावत'' (स्तुति खंड)	15

पाठ्य पुस्तक – निर्गुण काव्य

संपादक – प्रो० जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़
प्रो० अल्ताफ अहमद, रिटायर्ड प्रोफेसर, शिब्ली नेशनल पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

☐ जायसी और उनका काव्य : डॉ० शिवपूजन तिवारी
☐ जायसी ग्रंथावली : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
☐ कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
☐ कबीर के साहित्य में लोक दर्शन : डॉ० मदन मोहन पाण्डेय
☐ जायसी का पद्मावत : डॉ० गोविन्द त्रिगुणायत
☐ कबीर मीमांसा : डॉ० रामचंद्र तिवारी
☐ कबीर का रहस्यवाद : डॉ० रामकुमार वर्मा
☐ तबस्सुम अथवा सूफीमत : आचार्य चन्द्रबली पाण्डेय
☐ सूफी कवि नूर मुहम्मद के काव्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन : डॉ० मोहम्मद अरसद
☐ भारतीय प्रेमाख्यान काव्य : डॉ० हरिकांत श्रीवास्तव

एम० ए० प्रथम वर्ष : 1st सेमेस्टर (नाट्य साहित्य)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	प्रथम / सप्तम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010703T**
प्रश्न–पत्र	तृतीय (नाट्य साहित्य)
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**नाटक :** ☐ भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण ☐ नाटक की उत्पत्ति और उसका स्वरूप ☐ नाटक की परिभाषा ☐ नाटक के तत्व ☐ नाटक के प्रकार ☐ नाटक का उद्देश्य	15
II	**हिन्दी नाटकों का विकास :** ☐ प्रारंभिक काल ☐ पूर्व भारतेन्दु युग ☐ भारतेन्दु युग ☐ आधुनिक युग	15
III	**नाटककार जयशंकर प्रसाद :** ☐ जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व ☐ प्रसाद की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना ☐ नाटक कला के तत्वों के आधार पर ''चन्द्रगुप्त'' नाटक की समीक्षा	15

	□ व्याख्या : चन्द्रगुप्त नाटक (जयशंकर प्रसाद)	
IV	**एकांकी एवं एकांकीकार :** □ एकांकी की परिभाषा □ एकांकी का उद्भव और विकास □ एकांकी के तत्व □ एकांकी का उद्देश्य □ नाटक एवं एकांकी में अंतर □ **एकांकीकारों का संक्षिप्त परिचय :** 1. डॉ० रामकुमार वर्मा 2. उपेन्द्रनाथ अश्क 3. भुवनेश्वर 4. जगदीश चंद्र माथुर 5. लक्ष्मीनारायण लाल 6. धर्मवीर भारती	15
V	**व्याख्या/निर्धारित एकांकी :** □ ताँबे के कीड़े (भुवनेश्वर) □ भोर का तारा (जगदीश चंद्र माथुर) □ मम्मी ठकुराइन (लक्ष्मीनारायण लाल) □ नदी प्यासी थी (धर्मवीर भारती)	15

पाठ्य पुस्तक – नाटक एवं एकांकी

संपादक – प्रो० गीता सिंह, अध्यक्ष : हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- □ हिन्दी का गद्य नाट्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
- □ प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ० जगन्नाथ शर्मा
- □ हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – डॉ० दशरथ ओझा
- □ हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह
- □ हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास : लक्ष्मीनारायण लाल
- □ हिन्दी में एकांकी का स्वरुप : लक्ष्मीनारायण लाल
- □ हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार
- □ हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास : रामचरण महेंद्र
- □ हिन्दी नाटक आजकल : जयदेव तनेजा
- □ हिन्दी नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ० जगन्नाथ प्रसाद मिश्र

एम० ए० प्रथम वर्ष : 1st सेमेस्टर (भारतीय काव्य शास्त्र एवं शोध प्रविधि)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	प्रथम / सप्तम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010704T**
प्रश्न–पत्र	चतुर्थ (भारतीय काव्य शास्त्र एवं शोध प्रविधि)
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**भारतीय काव्य शास्त्र : परिचयात्मक विवेचन** □ भारतीय काव्य शास्त्र की परंपरा □ काव्य का स्वरूप, लक्षण, परिभाषा □ काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन □ काव्य गुण, काव्य दोष □ काव्य की आत्मा	15
II	**प्रमुख सम्प्रदाय (प्रथम खंड) :** **(क) अलंकार सम्प्रदाय :** □ अलंकार का अर्थ एवं परिभाषा □ मूल स्थापनाएँ □ अलंकारों का वर्गीकरण □ काव्य में अलंकारों का महत्व **(ख) रीति सम्प्रदाय :** □ रीति का अर्थ एवं परिभाषा □ मूल स्थापनाएँ	15

	☐ रीति के प्रकार **(ग) ध्वनि सम्प्रदाय :** ☐ ध्वनि का अर्थ एवं परिभाषा ☐ मूल स्थापनाएँ ☐ ध्वनि काव्य : अवधारणा ☐ ध्वनि काव्य के भेद	
III	**प्रमुख सम्प्रदाय (द्वितीय खंड) :** **(क) वक्रोक्ति सम्प्रदाय :** ☐ वक्रोक्ति का अर्थ एवं परिभाषा ☐ मूल स्थापनाएँ ☐ वक्रोक्ति के भेद **(ख) औचित्य सम्प्रदाय :** ☐ औचित्य का अर्थ एवं परिभाषा ☐ मूल स्थापनाएँ ☐ औचित्य के भेद **(ग) रस सम्प्रदाय** : ☐ रस का अर्थ एवं परिभाषा ☐ रस का स्वरूप ☐ रस के अवयव ☐ रस के प्रकार	15
IV	**रस निष्पत्ति :** ☐ रस निष्पत्ति का सिद्धांत ☐ भट्टलोल्लट का उत्पत्तिवाद ☐ शंकुक का अनुमितिवाद ☐ भट्टनायक का भुक्तिवाद ☐ अभिनवगुप्त का अभिव्यक्तिवाद ☐ साधारणीकरण की अवधारणा ☐ सहृदय की अवधारणा	15
V	**शोध प्रविधि :** ☐ शोध का अर्थ एवं परिभाषा ☐ शोध की अवधारणा ☐ साहित्य में शोध की प्रविधियाँ ☐ शोध के अंग ☐ शोध का महत्व	15
पाठ्य पुस्तक – भारतीय साहित्य शास्त्र एवं शोध प्रविधि **संपादक – प्रो० मो० हसीन खान**, अध्यक्ष : हिन्दी विभाग, श्री गाँधी पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़		

सन्दर्भ ग्रंथ –

- भारतीय काव्य शास्त्र (भाग एक एवं दो) : बलदेव उपाद्धयाय
- भारतीय काव्य शास्त्र : योगेंद्र प्रताप सिंह
- भारतीय काव्य शास्त्र : तारकनाथ बाली
- काव्य शास्त्र : भगीरथ मिश्र
- भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका : डॉ० नगेन्द्र
- रस मीमांसा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- भारतीय काव्य शास्त्र : सत्यदेव चौधरी
- साहित्यालोचन : डॉ० श्यामसुन्दर दास
- रस विमर्श : डॉ० राममूर्ति त्रिपाठी
- काव्य रस चिंतन और आस्वाद : डॉ० भगीरथ मिश्र
- शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि : बैजनाथ सिंहल

एम० ए० प्रथम वर्ष : 1st & 2nd सेमेस्टर (वृहद शोध परियोजना)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	प्रथम / सप्तम & द्वितीय / अष्टम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010705R**
प्रश्न–पत्र	पंचम् (वृहद शोध परियोजना)
क्रेडिट	**04**
अधिकतम अंक	**100**
न्यूनतम अंक	**40**
कालांश / व्याख्यान	सत्रीय परीक्षण

एम० ए० प्रथम वर्ष : 2nd सेमेस्टर (सगुण काव्य)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	द्वितीय / अष्टम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010801T**
प्रश्न–पत्र	प्रथम (सगुण काव्य)
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**भक्तिकाल :** □ भक्तिकाल का उदय □ भक्तिकाल की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि □ भक्तिकाल की विशेषताएँ □ भक्तिकाल : हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग	15
II	**कृष्ण काव्य परंपरा :** □ कृष्ण काव्य परंपरा और सूर का काव्य □ कृष्ण काव्य की प्रमुख विशेषताएँ □ कृष्ण काव्य एवं राम काव्य में अंतर □ सूर की भक्ति भावना □ सूर का वात्सल्य एवं शृंगार □ सूर का भ्रमर गीत □ सूर की भाषा	15

III	**सूरसागर :** ☐ **व्याख्या – सूरसागर : विनय एवं भक्ति के दस पद** (अविगत गति, प्रभु को देख्यो, सरन गए को अबकै राखी, अब मैं नाच्यौ, हमारे प्रभु औगुन, मेरो मन अनत, तज्यौ मन हरि, चकई री चलि, अपुनपौ अपुन) ☐ **व्याख्या – भ्रमर गीत के दस पद** (मधुकर हम, अँखियाँ हरि, आये जोग, निरगुन कौन, काहे को गोपीनाथ, ऊधौ मन नहिं, ऊधौ मन न भये, सब दिन एकहिं, ऊधौ भली भये, ऐसो जोग न)	15
IV	**राम काव्य परंपरा :** ☐ राम काव्य परंपरा और तुलसीदास का रामचरितमानस ☐ राम काव्य की प्रमुख विशेषताएँ ☐ तुलसी की भक्ति भावना ☐ तुलसी की लोक मंगल की भावना ☐ भारतीय जीवन को रामचरितमानस की देन	15
V	**व्याख्या :** ☐ रामचरितमानस : बालकाण्ड : पुष्पवाटिका प्रसंग (10 दोहे, 40 चौपाइयाँ, 1 छंद, 1 सोरठा) ☐ विनय पत्रिका : 5 पद (बावरो रावरो, कबहुँक अम्ब, खोटो खरो, रावरौ हौ, तू दयालु, कबहुँक मन) ☐ कवितावली : 5 छंद (कीर के कगार, विंध्य के वासी, वालधी विशाल, विषया परनारि, किसबि किसान)	15

पाठ्य पुस्तक – सगुण काव्य

संपादक – प्रो० गीता सिंह, अध्यक्ष : हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- ☐ सूरदास : डॉ० ब्रजेश्वर शर्मा
- ☐ महाकवि सूरदास : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
- ☐ सूरदास : डॉ० गीता सिंह
- ☐ रामकाव्य परंपरा : डॉ० जगदम्बा प्रसाद दुबे
- ☐ तुलसी के साहित्य में लोक धर्म का संस्थापन : डॉ० मदन मोहन पाण्डेय
- ☐ तुलसीदास : माता प्रसाद गुप्त
- ☐ तुलसी मीमांसा : डॉ० उदय भानु सिंह
- ☐ सूरदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- ☐ सूरदास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

एम० ए० प्रथम वर्ष : 2nd सेमेस्टर (रीतिकाव्य)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	द्वितीय / अष्टम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	A010802T
प्रश्न–पत्र	द्वितीय (रीतिकाव्य)
क्रेडिट	05
अधिकतम अंक	25+75=100
न्यूनतम अंक	10+30=40
कालांश / व्याख्यान	75

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**रीतिकाल :** □ रीतिकाल : स्वरूप एवं नामकरण □ रीतिकाल की उदयकालीन परिस्थितियाँ □ विविध काव्य धाराएँ □ रीतिकाल का शिल्प सौन्दर्य □ दरबारी संस्कृति और राष्ट्रीय भाव–भूमि □ रीतिकालीन भाषा	15
II	**रीतिकाल के प्रवर्तक : आचार्य केशवदास** □ आचार्य केशव का पाण्डित्य □ संवाद योजना □ चमत्कार प्रदर्शन □ अलंकारवादी आचार्य केशव □ व्याख्या : रामचंद्रिका – 10 पद, कविप्रिया – 5 पद, रसिकप्रिया – 5 पद	15

III	**रीतिसिद्ध कवि बिहारी :** □ बिहारी काव्य धारा □ बिहारी सतसई □ सतसई काव्य परंपरा में ''बिहारी सतसई'' का स्थान □ बिहारी का काव्य : भक्ति, नीति और शृंगार की त्रिवेणी □ व्याख्या – बिहारी सतसई के 30 दोहे	15
IV	**स्वच्छंद काव्यधारा और घनानंद :** □ घनानंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व □ प्रेम की पीर के कवि घनानंद □ घनानंद की सौन्दर्य चेतना □ भाषिक रचाव □ व्याख्या – घनानंद के 10 छंद	15
V	**राष्ट्रीय कवि भूषण :** □ वीर काव्य परंपरा और भूषण □ भूषण की राष्ट्रीय चेतना □ भूषण राष्ट्र कवि या जातीय कवि □ रीतिकाल का घोर शृंगारिक वातावरण और भूषण का काव्य □ व्याख्या : भूषण के 10 छंद	15

पाठ्य पुस्तक – रीतिकाव्य

संपादक – प्रो० जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- □ मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ० रामचंद्र तिवारी
- □ केशव और उनका साहित्य : डॉ० विजयपाल सिंह
- □ केशव की काव्य कला : डॉ० पं० कृष्ण शंकर शुक्ल
- □ बिहारी बाग्विभूति : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- □ बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ० बच्चन सिंह
- □ बिहारी का काव्य लालित्य : डॉ० रमाशंकर तिवारी
- □ घनानंद और स्वच्छंद काव्य : डॉ० मनोहर लाल गौर
- □ घनानंद : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- □ घनानंद का शृंगार काव्य : प्रो० रामदेव शुक्ल
- □ हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : डॉ० द्वारिका प्रसाद सक्सेना
- □ रीतिकाव्य मूल्यांकन के नए आयाम : प्रो० प्रभाकर सिंह

एम० ए० प्रथम वर्ष : 2nd सेमेस्टर (हिन्दी उपन्यास)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	द्वितीय / अष्टम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010803T**
प्रश्न–पत्र	तृतीय (प्रथम विकल्प) हिन्दी उपन्यास
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**उपन्यास की अवधारणा :** □ उपन्यास का अर्थ एवं परिभाषा □ हिन्दी उपन्यास का स्वरूप □ उपन्यास के तत्त्व (कथावस्तु, चरित्र–चित्रण, देशकाल अथवा वातावरण, संवाद अथवा कथोपकथन, भाषा शैली, उद्देश्य)	15
II	**उपन्यास के भेद :** □ कथावस्तु के आधार पर □ चरित्र–चित्रण के आधार पर □ परिवेश के आधार पर □ शैली के आधार पर □ प्रतिपाद्य अथवा उद्देश्य के आधार पर	15
III	**हिन्दी उपन्यास का विकास :** □ प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास □ प्रेमचंद युगीन हिन्दी उपन्यास	15

	□ प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास (सामाजिक एवं समाजवादी उपन्यास, मनोवैज्ञानिक उपन्यास, आंचलिक उपन्यास, ऐतिहासिक उपन्यास)	
IV	**हिन्दी उपन्यास समीक्षा :** □ उपन्यास के तत्वों के आधार पर – ''बाणभट्ट की आत्मकथा'' (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी) अथवा □ ''बहती गंगा'' (शिवप्रसाद सिंह 'रुद्रकाशिकेय')	15
V	**व्याख्या :** □ निर्मला : प्रेमचंद (वाचन, प्रस्तावना, कथासार, उद्देश्य, ससन्दर्भ व्याख्या) अथवा □ मैला आँचल : फणीश्वरनाथ 'रेणु' (वाचन, प्रस्तावना, कथासार, उद्देश्य, ससन्दर्भ व्याख्या)	15

पाठ्य पुस्तक – हिन्दी उपन्यास यात्रा

संपादक – डॉ० मदन मोहन पाण्डेय, शिवा डिग्री कॉलेज, तेरही आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- □ हिन्दी उपन्यास : डॉ० शिवनारायण श्रीवास्तव
- □ हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचंद्र तिवारी
- □ हिन्दी उपन्यास का इतिहास : डॉ० गोपाल राय
- □ हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकार : डॉ० शिवप्रसाद सिंह
- □ प्रेमचंद और उनका युग : डॉ० रामविलास शर्मा
- □ उपन्यास मूल्यांकन के नए आयाम : प्रो० प्रभाकर सिंह
- □ समकालीन हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी जीवन : डॉ० आर० तारा सिंह
- □ हिन्दी उपन्यास : स्त्री की तरफ खुलती खिड़की : डॉ० तरसेम गुजराल
- □ इक्कीसवीं शती के हिन्दी उपन्यास : सं० डॉ० प्रमोद कोवप्रत
- □ समकालीन हिन्दी उपन्यास : यथार्थबोध और उसकी भाषा आलोचना : डॉ० रत्ना शर्मा

एम० ए० प्रथम वर्ष : 2nd सेमेस्टर (हिन्दी कहानी)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	द्वितीय / अष्टम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010804T**
प्रश्न–पत्र	तृतीय (द्वितीय विकल्प) हिन्दी कहानी
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**कहानी की अवधारणा :** □ कहानी का अर्थ एवं परिभाषा □ हिन्दी कहानी का स्वरूप □ कहानी का उद्देश्य एवं प्रयोजन □ कहानी की विशेषताएँ □ प्राचीनकालीन हिन्दी कहानियाँ	13
II	**कहानी के भेद :** □ कथा वस्तु के आधार पर □ चरित्र–चित्रण के आधार पर □ परिवेश के आधार पर □ शैली के आधार पर □ प्रतिपाद्य अथवा उद्देश्य के आधार पर	13

III	**हिन्दी कहानी का विकास :** □ प्रेमचंद युग पूर्व की कहानी □ प्रेमचंद युग की कहानी □ प्रेमचंदोत्तर युग की कहानी □ विभिन्न कहानी आंदोलन	15
IV	□ **कहानी के तत्त्व :** 1. कहानी का शीर्षक 2. कहानी की कथा वस्तु 3. कहानी का चरित्र–चित्रण 4. कहानी का परिवेश या वातावरण 5. कहानी की भाषा शैली 6. कहानी का उद्देश्य अथवा प्रतिपाद्य □ **कहानी कला के तत्वों के आधार पर कहानी की समीक्षा** : ''उसने कहा था'' (चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी') अथवा ''ईदगाह'' (मुंशी प्रेमचंद)	16
V	**वाचन, व्याख्या एवं कथासार :** □ ''पुरस्कार'' (जयशंकर प्रसाद) □ ''तीसरी कसम'' (फणीश्वरनाथ रेणु) □ ''एक टोकरी भर मिट्टी'' (माधव प्रसाद सप्रे) □ ''पाजेब'' (जैनेन्द्र कुमार)	18

पाठ्य पुस्तक – कहानी कल्प

संपादक – प्रो० सबीना अंजुम, हिन्दी विभाग, सर्वोदय पी० जी० कॉलेज मऊ

सन्दर्भ ग्रंथ –

□ नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
□ कहानी : नई कहानी – डॉ० नामवर सिंह
□ नई कहानी : अर्थ एवं प्रकृति – डॉ० देवीशंकर अवस्थी
□ हिन्दी कहानी का इतिहास (भाग एक एवं दो) – डॉ० गोपाल राय
□ हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
□ आधुनिक हिन्दी कहानी – लक्ष्मीनारायण लाल
□ हिन्दी कहानी : पहचान और परख – डॉ० इन्द्रनाथ मदान
□ प्रेमचंद : एक विवेचन – डॉ० इन्द्रनाथ मदान
□ चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' – मस्तराम कपूर
□ जयशंकर प्रसाद – आचार्य नंददुलारे वायपेयी

एम० ए० प्रथम वर्ष : 2nd सेमेस्टर (हिन्दी आलोचना)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	द्वितीय / अष्टम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010805T**
प्रश्न पत्र	चतुर्थ (प्रथम विकल्प) हिन्दी आलोचना
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**आलोचना की अवधारणा :** □ आलोचना का अर्थ एवं परिभाषा □ हिन्दी आलोचना का उद्भव □ हिन्दी आलोचना का स्वरूप □ आलोचक के गुण एवं दोष	13
II	**हिन्दी आलोचना का विकास :** □ शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना : 1. भारतेन्दु पूर्व हिन्दी आलोचना 2. भारतेंदुयुगीन हिन्दी आलोचना 3. द्विवेदी युगीन हिन्दी आलोचना □ शुक्ल युगीन हिन्दी आलोचना □ शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना	14
III	**आलोचना के भेद :** □ सैद्धांतिक आलोचना □ निर्णयात्मक आलोचना	18

	□ व्याख्यात्मक आलोचना □ ऐतिहासिक आलोचना □ मनोवैज्ञानिक आलोचना □ प्रभावात्मक आलोचना □ तुलनात्मक आलोचना □ प्रगतिवादी आलोचना □ शौष्ठववादी आलोचना □ मार्क्सवादी आलोचना □ नई समीक्षा	
IV	**हिन्दी के प्रमुख आलोचक एवं आलोचना पद्धति :** □ आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी □ आचार्य रामचंद्र शुक्ल □ आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	15
V	**हिन्दी के प्रमुख आलोचक एवं आलोचना पद्धति :** □ आचार्य नंददुलारे वाजपेयी □ डॉ० रामविलास शर्मा □ डॉ० नामवर सिंह	15

पाठ्य पुस्तक – हिन्दी आलोचना

संपादक – प्रो० जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- □ हिन्दी आलोचना का विकास – डॉ० नंदकिशोर नवल
- □ हिन्दी आलोचना – डॉ० विश्वनाथ त्रिपाठी
- □ दूसरी परंपरा की खोज – डॉ० नामवर सिंह
- □ हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और सन्दर्भ – डॉ० रामदरश मिश्र
- □ हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ० रामचंद्र तिवारी
- □ हिन्दी आलोचना की बीसवीं सदी – डॉ० निर्मला जैन
- □ इतिहास और आलोचना – डॉ० नामवर सिंह
- □ आलोचक और आलोचना – डॉ० बच्चन सिंह
- □ आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली – डॉ० अमरनाथ झा
- □ रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – डॉ० रामविलास शर्मा
- □ हिन्दी आलोचना के बीज शब्द – डॉ० बच्चन सिंह

एम० ए० प्रथम वर्ष : 2nd सेमेस्टर (हिन्दी निबंध)

कक्षा	एम० ए० प्रथम वर्ष
सेमेस्टर	द्वितीय / अष्टम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010806T**
प्रश्न–पत्र	चतुर्थ (द्वितीय विकल्प) हिन्दी निबंध
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न)(अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**हिन्दी निबंध : अवधारणा** □ निबंध का अर्थ एवं परिभाषा □ हिन्दी निबंध का स्वरूप □ हिन्दी निबंध की विशेषताएँ □ हिन्दी निबंध के प्रमुख तत्त्व	14
II	**हिन्दी निबंध का विकास :** □ शुक्ल पूर्व युग (सन् 1850 से 1920 तक) □ भारतेन्दु युग (सन् 1850 से 1900 तक) □ द्विवेदी युग (सन् 1900 से 1920 तक) □ शुक्ल युग (सन् 1920 से 1940 तक) □ शुक्लोत्तर युग (सन् 1940 से आजतक)	14
III	**हिन्दी निबंध के भेद :** □ विषय वस्तु के आधार पर : 1. विचारात्मक या चिंतन प्रधान	18

	2. भावात्मक या भाव प्रधान □ लेखकीय व्यक्तित्व के आधार पर : 1. आत्मपरक निबंध 2. वस्तुपरक निबंध □ शैली के आधार पर 1. वर्णानात्मक निबंध 2. विश्लेषणात्मक निबंध 3. समास शैली 4. व्यास शैली 5. ललित शैली 6. व्यंग शैली	
IV	**प्रमुख निबंध वाचन एवं व्याख्या :** □ ''विशाल वाटिका'' (बालकृष्ण भट्ट) □ ''साहित्य की महत्ता'' (आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी) □ ''करुणा'' (आचार्य रामचंद्र शुक्ल)	14
V	**प्रमुख निबंध वाचन एवं व्याख्या :** □ ''अशोक के फूल'' (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी) □ ''तुम चन्दन हम पानी'' (पं० विद्यानिवास मिश्र) □ '' कुब्जा सुन्दरी'' (कुबेरनाथ राय)	15

पाठ्य पुस्तक – निबंध निकष

संपादक – प्रो० शबीना अंजुम, हिन्दी विभाग, सर्वोदय पी० जी० कॉलेज, घोसी मऊ

सन्दर्भ ग्रंथ –

- □ हिन्दी निबंध – डॉ० गणपति चंद्र गुप्त
- □ साहित्यिक निबंध – डॉ० त्रिभुवन सिंह
- □ चिंतामणि (भाग एक एवं दो) – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- □ साहित्य सहचर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- □ गतिशील चिंतन – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- □ निबंध संग्रह : अनुभूतियाँ और विमर्श – कृष्ण कुमार यादव
- □ साहित्यिक निबंध – श्री राजनाथ शर्मा
- □ चिंतामणि (भाग तीन) – सं० डॉ० नामवर सिंह
- □ रस मीमांसा – सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- □ साहित्यानुशीलन आलोचना के मान – शिवदान सिंह चौहान

कार्यक्रम / वर्ग– सर्टिफिकेट	स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष हेतु– माइनर / इलेक्टिव हिन्दी पाठ्यक्रम	सेमेस्टर – प्रथम अथवा द्वितीय
विषय – हिन्दी (माइनर हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम)		
नोट– यह पाठ्यक्रम (स्नातकोत्तर– हिन्दी– प्रथम वर्ष) के लिए निर्धारित है, जिसका अध्ययन स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा। इसका अध्ययन विद्यार्थी (प्रथम या द्वितीय) किसी भी सेमेस्टर में कर सकता है।		
प्रश्न–पत्र कोड A010101M	**प्रश्न पत्र का शीर्षक– हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास कोर कम्पल्सरी (अनिवार्य)**	**क्रेडिट : 04**
सत्रीय परीक्षण : अंक 25+75		**पूर्णांक : 100**
Total No. of Lectures- Tutorials- Practical (in hours per week) L-T-P-4-0-0		

इकाई	पाठ्य विषय	कालांश / व्याख्यान
प्रथम	हिन्दी की उपभाषाएं एवं बोलियाँ – पूर्वी हिन्दी (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी), पश्चिमी हिन्दी (खड़ी बोली, ब्रजभाषा, बुंदेली), राजस्थानी (मेवाती, मालवी, मारवाड़ी, जयपुरी), बिहारी (मैथिली, भोजपुरी, मगही), पहाड़ी(गढ़वाली, कुमाँउनी)।	**15**
द्वितीय	हिन्दी की रूप रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास, लिंग, वचन, कारक,	**15**
तृतीय	हिन्दी भाषा प्रयोग के विविध रूप – मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा	**15**
चतुर्थ	हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्यांग – हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण, रस, रस के अवयव, रस के प्रकार, छंद, छंद के प्रकार, अलंकार, अलंकार के प्रकार।	**15**

नोट :– सभी के लिए उपलब्ध

प्रस्तावित सतत मूल्यांकन –

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय पर आधारित अधिन्यास (असाइनमेंट) एवं मौखिक / प्रायोगिक परीक्षा। 15 अंक

(ख) लिखित परीक्षा (वस्तुनिष्ठ / लघु उत्तरीय) 10 अंक

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 3rd सेमेस्टर (भाषाविज्ञान)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	तृतीय / नवम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010901T**
प्रश्न–पत्र	प्रथम (भाषाविज्ञान)
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**भाषाविज्ञान :** ☐ भाषाविज्ञान का नामकरण ☐ भाषाविज्ञान का अर्थ ☐ भाषाविज्ञान की परिभाषा ☐ भाषाविज्ञान का क्षेत्र ☐ भाषाविज्ञान का महत्व	13
II	☐ **भारत में भाषा चिंतन :** 1) वाक् 2) वाक्य 3) क्रिया की संकल्पना 4) काल (भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्यत् काल) ☐ **वाक्य प्रकार :** 1) कारक 2) कारक के भेद (कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण, सम्बोधन) ☐ **पद विचार :**	13

	1) व्युत्पत्ति निरूपण (वर्ण लोप, वर्णागम, वर्ण विपर्यय, वर्ण विकार) □ **ध्वनि विवेचन :** 1) ध्वनि वर्गीकरण 2) ध्वनि उत्पादन 3) उच्चारण–वाचन शुद्धता □ **अर्थ विचार**	
III	□ **भाषाविज्ञान की पाश्चात्य परंपरा :** 1) भाषा विज्ञान का सूत्रपात 2) तुलनात्मक भाषा विज्ञान 3) भाषाओं का वर्गीकरण 4) ध्वनि परिवर्तन और नियम 5) ऐतिहासिक भाषा विज्ञान □ **भाषा परिवर्तन :** 1) ध्वनि परिवर्तन 2) अर्थ परिवर्तन 3) संरचना परिवर्तन	14
IV	□ **समाज भाषाविज्ञान :** 1. भाषा और समाज 2. भाषा वैविध्य 3. भाषा और बोली 4. भाषा के सामाजिक स्तर भेद □ **संपर्क में भाषाएँ :** 1. बहुभाषिता और द्विभाषिता के विविध रूप 2. कोड अंतरण और मिश्रण 3. बहुभाषिता से जन्मी पिजिन, क्रियोल और मिश्रित भाषाएँ □ **भाषा और सामाजिक सन्दर्भ :** 1. भाषा का क्षरण, अनुरक्षण और संघर्ष **2. हिन्दी में भाषा वैविध्य :** ▪ पश्चिमी हिन्दी ▪ पूर्वी हिन्दी ▪ राजस्थानी हिन्दी ▪ बिहारी हिन्दी ▪ पहाड़ी हिन्दी	15
V	**हिन्दी संरचना :** □ **रूप की संकल्पना :** 1. रूप के प्रकार (रूप साधक और शब्द साधक रूप) 2. रूपिम की संकल्पना □ **शब्द :** 1) शब्द और अर्थ का सम्बन्ध 2) शब्द निर्माण की आवश्यकता और प्रक्रिया 3) शब्द के प्रकार	20

	4) शब्द वर्ग □ **पद की संकल्पना** □ **वाक्य की संकल्पना**	

सन्दर्भ ग्रंथ –

- भाषा विज्ञान – डॉ० भोलानाथ तिवारी
- भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ० देवेन्द्रनाथ शर्मा
- हिन्दी भाषा की संरचना – प्रो० शर्वेश पाण्डेय
- हिन्दी भाषा के आयाम – प्रो० शर्वेश पाण्डेय
- भाषा विज्ञान का सिद्धांत – डॉ० मीरा दीक्षित
- हिन्दी व्याकरण – आचार्य कामता प्रसाद 'गुरु'
- हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास वायपेयी
- भाषा विज्ञान के सिद्धांत एवं हिन्दी भाषा – प्रो० रामदरश राय
- भाषा शास्त्र की रूप–रेखा – डॉ० उदयनारायण तिवारी
- हिन्दी भाषा – डॉ० हरदेव बाहरी

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 3rd सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य का इतिहास)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	तृतीय / नवम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010902T**
प्रश्न–पत्र	द्वितीय (हिन्दी साहित्य का इतिहास)
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**हिन्दी साहित्य : इतिहास लेखन** □ महत्वपूर्ण श्रोत सामग्री □ हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ □ इतिहास ग्रंथों की प्रमुख विशेषताएँ □ हिन्दी साहित्य के काल विभाजन एवं नामकरण के आधार	13
II	**आदिकाल :** □ आदिकाल की पूर्वापर सीमा □ हिन्दी का प्रथम कवि, प्रथम रचना □ आदिकाल की परिस्थियाँ □ आदिकाल की विशेषताएँ □ आदिकाल के नामकरण की समस्या □ प्रमुख रासो साहित्य □ जैन साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य □ आदिकाल का लौकिक साहित्य	13

III	**भक्तिकाल (पूर्व मध्यकाल) :** □ भक्तिकाल का उदय □ भक्तिकाल की पृष्ठभूमि □ भक्तिकाल के दर्शन □ भक्तिकाल के प्रमुख आचार्य □ भक्तिकाल : हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग □ निर्गुण काव्यधारा (संत काव्यधारा, सूफी काव्यधारा) □ सगुण काव्यधारा (राम काव्यधारा, कृष्ण काव्यधारा)	14
IV	**रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल) :** □ रीतिकाल की युगीन परिस्थितियाँ □ रीतिकाव्य के प्रवर्तक □ रीतिकाल के नामकरण की समस्या □ रीतिकालीन कविता का वर्गीकरण (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) □ रीतिकाल की विशेषताएँ	15
V	**आधुनिक काल (पद्य) :** □ नामकरण एवं उपविभाजन तथा परिस्थितियाँ □ सन् 1857 की राज क्रान्ति एवं पुनर्जागरण □ आधुनिक काल की प्रवृत्तियाँ □ भारतेन्दु युगीन काव्य □ द्विवेदी युगीन काव्य □ छायावादी काव्य □ स्वच्छंदतावादी और राष्ट्रीय काव्यधारा □ छायावादोत्तर युग (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नकेनवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, संघर्षमूलक कविता, साठोत्तरी कविता) **आधुनिक काल (गद्य) :** □ हिंदी गद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास (कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, यात्रा वृत्त, साक्षात्कार, डायरी, पत्र–पत्रिकाएँ, हिन्दी समालोचना साहित्य)	20

सन्दर्भ ग्रंथ –

- □ हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- □ हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ० नगेन्द्र
- □ हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास – डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
- □ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह
- □ हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- □ हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ० रामकुमार वर्मा
- □ हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- □ हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ० गणपति चंद्र गुप्त

- हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – प्रो० वासुदेव सिंह
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल और मध्यकाल – प्रो० गीता सिंह

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 3rd सेमेस्टर (भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	तृतीय / नवम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010903T**
प्रश्न–पत्र	तृतीय (प्रथम विकल्प) भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य : स्वरूप और विकास** : □ पृष्ठभूमि (राजनैतिक, सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, धार्मिक) □ भारतेन्दु का आगमन □ भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य का विकास (बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन', पं० प्रताप नारायण मिश्र, पं० राधाचरण गोस्वामी, राधाकृष्ण दास)	15
II	**भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य की विशेषताएँ :** □ विषय वस्तु (शृंगारिक रचनाएँ, भक्तिपरक रचनाएँ, देशभक्तिपरक रचनाएँ) □ काव्य भाषा (उर्दू का प्रयोग, अंग्रेजी आदि शब्दों का प्रयोग, मुहावरों एवं कहावतों का प्रयोग) □ काव्य शैली (प्राचीन एवं नवीन शैली का प्रयोग, नए जमाने की मुकरी, हिंदी–उर्दू मिश्रित नवीन शैली) □ छंद विधान (दोहा, पद, लावनी, कजली, होली) □ अलंकार विधान	15

	□ रस सौन्दर्य	
III	**भारतेन्दु हरिश्चंद्र : कवि परिचय** ▪ जीवन परिचय ▪ काव्य रचनाएँ ▪ काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (प्राचीन प्रवृत्तियाँ, नवीन प्रवृत्तियाँ) ▪ अभिव्यंजना शिल्प (काव्य भाषा, काव्य रूप, काव्य शैली, छंदोविधान, रस, अलंकार) ▪ काव्य पाठ एवं व्याख्या : □ **सवैया –** 1. रोकहिं जो तो अमंगल होय। 2. उधौ जो सूधो गहो वह मारग। 3. दीनदयाल कहाइ कै धाइ कै। 4. व्यापक ब्रम्ह सबै थल पूरन। □ **गंगा छवि वर्णन –** 1. नव उज्ज्वल जल धार.....कछु बरनी नहिं जाई। □ **मुकरियाँ –** 1. सब गुरुजन को बुरा बतावे। 2. तीन बुलावे तेरह धावै। 3. मतलब ही की बोलै बात। 4. नई–नई नित तान सुनावै। 5. रूप दिखावत सरबस लूटै। □ **निज भाषा –** 1. निज भाषा उन्नति अहै। 2. अंग्रेजी पढ़ि के जदपि। 3. निज भाषा उन्नति बिना। 4. इक भाषा इक जीव। 5. और एक अति लाभ यह। 6. विविध कला शिक्षा अमित। 7. उन्नति पूरी है तबहिं।	15
IV	**बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' : कवि परिचय :** □ जीवन परिचय □ काव्य रचनाएँ □ **काव्य पाठ एवं व्याख्या** : 1. होली : मची है भारत में कैसी होली। 2. छोभ : है कैसी कजरी यह भाई। 3. भागो : भागो अब काल पड़ा है भारी। 4. वन्देमातरम : जय जय भारत भूमि भवानी। 5. चरखे की चमत्कारी : चला चल चरखा तू दिन रात। **पं० प्रताप नारायण मिश्र : कवि परिचय :** □ जीवन परिचय	18

	☐ काव्य रचनाएँ ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. दीनदयाल दया करिये। 2. निज हाथन सर्वस खोये चुके। 3. हमरे धन सों हमारे तन सों। 4. विधवा विलपै नित धेनु कटे।	
V	**राधाकृष्ण दास : कवि परिचय :** ☐ जीवन परिचय ☐ काव्य रचनाएँ ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. जुबिली : परम दुःखमय तिमिर जबै भरे में छायो। 2. विजयिनी विलाप : तिरसठ बरसु जासु छाया सुख कीनौ भारत वासी। 3. देश दशा : लायो अषाढ़ सुहावना सब देश मिली आनंद करें। 4. विनय पद : प्रभु हो पुनि भूतल अवतरिये। 5. मैकडानल पुष्पांजलि : धनि मैकडानल लाट प्रजा के दुःख निवारे। **श्री राधाचरण गोस्वामी : कवि परिचय :** ☐ जीवन परिचय ☐ काव्य रचनाएँ ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. ब्रज भाषा के सम्बन्ध में : ब्रज भाषा भाषा ललित। 2. हिन्दी के सम्बन्ध में : कवि पंडित परिजन प्रभिति। 3. लावनी : मैं हाय हाय दै ध्याय पुकारो कोई।	12

सन्दर्भ ग्रंथ –

- ☐ भारतेन्दु हरिश्चंद्र : डॉ० रामविलास शर्मा
- ☐ राधाकृष्ण ग्रंथावली : श्यामसुन्दर दास बी०ए०
- ☐ स्वतंत्रता पुकारती : बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' : सं० नन्द किशोर नवल
- ☐ कविता कौमुदी : सं० रामनरेश त्रिपाठी
- ☐ भारतेन्दु संचयन : भारतेन्दु हरिश्चंद्र : सं० रामजी यादव
- ☐ भारतेन्दु समग्र : हेमंत शर्मा
- ☐ भारतेन्दु ग्रंथावली (भाग एक एवं दो) : काशी नागरी प्रचारिणी सभा बनारस
- ☐ भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि : किशोरीलाल गुप्त
- ☐ हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- ☐ प्रेमघन सर्वस्व : सं० दिनेश नारायण उपाध्याय
- ☐ हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ० बच्चन सिंह
- ☐ नया साहित्य नए प्रश्न : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 3rd सेमेस्टर (द्विवेदी युगीन हिन्दी काव्य)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	तृतीय / नवम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010904T**
प्रश्न–पत्र	तृतीय (द्वितीय विकल्प) द्विवेदी युगीन हिन्दी काव्य
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) (अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**भारतीय नवजागरण और द्विवेदी युगीन काव्य :** □ द्विवेदी युग का नामकरण □ खड़ी बोली का उदय □ राष्ट्रवाद का उदय □ द्विवेदी युगीन परिस्थितियाँ (राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, गद्य काल का आरंभ) □ महावीर प्रसाद द्विवेदी : युगकर्ता की शक्ति एवं सीमाएँ	15
II	**द्विवेदी युगीन काव्य की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ :** □ काव्य विषयों की व्यापकता □ राष्ट्रीयता : जागरण, सुधार और देशभक्ति □ उपेक्षितों और सामान्य व्यक्तियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण □ स्वच्छंदतावादी काव्य के आरंभिक सन्देश □ द्विवेदी युगीन काव्य में प्रकृति का स्थान	15

	☐ उदात्त प्रेम की संयत अभिव्यक्ति ☐ परंपरानुवर्ती कविता की झलक ☐ इतिवृत्तात्मकता	
III	**द्विवेदी युगीन काव्य का अभिव्यंजना शिल्प :** ☐ काव्य रूपों की विविधता ☐ द्विवेदी युगीन काव्य भाषा : खड़ी बोली ☐ काव्य भाषा परिष्कार का युग ☐ प्रतीक और बिम्ब ☐ उपमान योजना अलंकार ☐ छंद–विधान	15
IV	**काव्य पाठ एवं व्याख्या – प्रथम खंड :** **1. मैथिलीशरण गुप्त : पाँच कविताएँ** ☐ राहुल जननी : घुसा तिमिर अलकों में भाग.....जाग दुखिनी के सुख जाग। ☐ नन्द : आर्य यह मुझ पर अत्याचार.....आर्य यह मुझ पर अत्याचार। ☐ महाप्रजावती : मैंने दूध पिलाकर पाला.....वह जलता अंगार जला दे उनका सब जंजाल। ☐ यशोधरा : विरह वर्णन : सिद्धि हेतु स्वामी गए.....सखी वे मुझसे कहकर जाते। ☐ पंचवटी : चारु चंद्र की चंचल किरणें। **2. रामनरेश त्रिपाठी : पाँच कविताएँ** ☐ गंध विहीन फूल हैं जैसे। ☐ मैं ढूंढता तुझे था जब कुंज और वन में। ☐ अतुलनीय जिनके प्रताप का। ☐ शोभित है सर्वोच्च मुकुट। ☐ विषुवत रेखा का वासी।	15
V	**काव्य पाठ एवं व्याख्या – द्वितीय खंड :** **1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' :** ☐ ''प्रियप्रवास'' के कुछ अंश (दिवस का अवसान समीप था.....बहु युवा युवती गृह बालिका) ☐ फूल और काँटा : हैं जन्म लेते जगह में एक ही.....जो किसी में है बड़प्पन की कसर। ☐ कर्मवीर : देखकर बाधा विविध बहु विघ्न घबराते नहीं.....वे नमूना आप बन जाते हैं औरों के लिए। ☐ एक बूँद : ज्यों निकलकर बादलों की गोंद से.....बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।	15

	□ आँख के आँसू : आँख का आँसू छलकता देखकर.....आँसुओं तुमने कहो यह क्या किया। **2. श्रीधर पाठक : पाँच कविताएँ** □ कश्मीर सुषमा : कै यह जादू भरी विश्व बाजीगर थैली। □ सुन्दर भारत : भारत हमारा कैसा सुन्दर सुहा रहा है। □ वंदनीय वह देश जहाँ के देशी निज अभिमानी हों। □ जय जय भारत भूमि हमारी। □ काली घटा का घमंड घटा।	

सन्दर्भ ग्रंथ –

□ हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
□ आधुनिक हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ : प्रो० नामवर सिंह
□ द्विवेदी युगीन हिन्दी काव्य : डॉ० महेंद्र कुमार सिंह
□ हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
□ व्यक्ति और अभिव्यक्ति : मैथिलीशरण गुप्त
□ रामनरेश त्रिपाठी और उनका साहित्य : डॉ० राममूर्ति शर्मा
□ पं० रामनरेश त्रिपाठी का काव्य : द्वितीय संस्करण : डॉ० कृष्णदत्त पालीवाल
□ स्वतंत्रता पुकारती : रामनरेश त्रिपाठी : सं० नंदकिशोर नवल
□ सुन्दर भारत : श्रीधर पाठक
□ यशोधरा : मैथिलीशरण गुप्त

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 3rd सेमेस्टर (छायावादी काव्य)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	तृतीय / नवम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010905T**
प्रश्न–पत्र	चतुर्थ (प्रथम विकल्प) छायावादी काव्य
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**छायावाद : स्वरूप एवं विकास :** ☐ छायावाद की पृष्ठभूमि ☐ छायावाद का प्रारम्भ ☐ छायावाद के प्रमुख कवि ☐ छायावाद की अंतर्वस्तु (विशेषताएँ) ☐ छायावाद का रचनाविधान ☐ छायावाद का महत्व (शक्ति और सीमाएँ)	15
II	**जयशंकर प्रसाद : कवि परिचय** ☐ जीवन और व्यक्तित्व ☐ रचनाएँ और रचना संसार ☐ प्रसाद काव्य : प्रमुख स्वर (इतिहास एवं संस्कृति, राष्ट्रीय चेतना एवं मानवीयता, प्रेम व्यंजना, सौन्दर्य चेतना, भाषा शैली, रस, छंद, अलंकार) ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :**	15

	1. कामायनी : चिंता एवं श्रद्धा सर्ग 2. आंसू : प्रारंभिक दस पद	
III	**सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : कवि परिचय** ☐ जीवन और व्यक्तित्व ☐ समर्थ सृजक का कृतित्व ☐ निराला काव्य की अंतर्वस्तु (काव्य संवेदना, परंपरा और आधुनिकता की टकराहट, काव्यानुभूति में विद्रोह का स्वर, सौन्दर्यानुभूति के उपादान, प्रयोग और प्रगति, मूल्यचेतना का विस्तार, सांस्कृतिक–सामाजिक जागरण, गीत–प्रगीत) ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. सरोज स्मृति 2. राम की शक्ति पूजा	15
IV	**सुमित्रानंदन पंत : कवि परिचय :** ☐ जीवन और व्यक्तित्व ☐ रचनाएँ और रचना संसार ☐ काव्य चेतना का विकास (काव्यानुभूति, प्रकृति सौन्दर्य, नारी के प्रति नवीन दृष्टि, जीवन दर्शन) ☐ काव्य शिल्प (काव्य रूप या प्रगीत कला, काव्य भाषा, बिम्ब और प्रतीक, अलंकार एवं छंद विधान) ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. मौन निमंत्रण 2. नौका विहार	15
V	**महादेवी वर्मा : परिचय** ☐ जीवन वृत्त ☐ सृजनात्मक व्यक्तित्व ☐ रचनाएँ और रचना संसार ☐ काव्य सौन्दर्य : अंतर्वस्तु (प्रणय एवं वेदनानुभूति, जड़–चेतन का एकात्म भाव, सौन्दर्यानुभूति, मूल्य चेतना, काव्य संवेदना का विस्तार) ☐ काव्य शिल्प (काव्य रूप या प्रगीत कला, काव्य भाषा, बिम्ब और प्रतीक, अलंकार एवं छंद विधान) ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. मैं नीर भरी दुःख की बदली। 2. पंथ रहने दो अपरिचित। 3. बीन भी हूँ तुम्हारी रागिनी भी हूँ। 4. यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।	15

पाठ्य पुस्तक – छायावादी काव्य

संपादक – प्रो० गीता सिंह, अध्यक्ष : हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- छायावाद : डॉ० नामवर सिंह
- कामायनी पुनर्विचार : गजानन माधव मुक्तिबोध
- जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी
- प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
- क्रांतिकारी कवि निराला : डॉ० बच्चन सिंह
- सुमित्रानंदन पंत : सं० सदानंद गुप्त
- छायावाद पुनर्मूल्यांकन : सुमित्रानंदन पंत
- छायावाद के आधार स्तम्भ : गंगा प्रसाद पाण्डेय
- छयावादी कवियों का सौन्दर्य विधान : डॉ० सूर्यप्रसाद दीक्षित
- छायावाद : राजेश्वर दयाल सक्सेना
- नवजागरण और छायावाद : महेंद्रनाथ राम
- छायावाद की परिक्रमा : श्याम किशोर मिश्र
- प्रसाद साहित्य में स्त्री चेतना : प्रो० गीता सिंह
- महाप्राण निराला : दुर्गाप्रसाद पाण्डेय
- निराला की साहित्य साधना : डॉ० रामविलास शर्मा
- निराला : सं० डॉ० इन्द्रनाथ मदान
- महादेवी : सं० डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव
- महीयसी महादेवी : गंगा प्रसाद पाण्डेय

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 3rd सेमेस्टर (छायावादोत्तर काव्य)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	तृतीय / नवम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010906T**
प्रश्न–पत्र	चतुर्थ (द्वितीय विकल्प) छायावादोत्तर काव्य
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) अधिकतम 200 शब्द
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**छायावादोत्तर काव्य : युगीन परिस्थितियाँ** □ वैचारिक पृष्ठभूमि : 1. प्रगतिवादी पृष्ठभूमि 2. प्रयोगवादी पृष्ठभूमि 3. प्रगतिवाद और प्रयोगवाद का अंतः सम्बन्ध 4. नई कविता की पृष्ठभूमि □ अनुभूतिगत तथा अभिव्यक्तिगत वैशिष्ट्य	15
II	**सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' :** **जीवन परिचय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** □ **अज्ञेय के काव्य की अंतर्वस्तु** (काव्य संवेदना की गहराई, आस्था और अनुभूति का संस्कारी प्रभाव, नव्य रहस्यवाद, प्रगति, प्रयोग और परंपरा, आधुनिकता और समसामयिकता,	15

	मानव मूल्यों के सन्दर्भ में नए व्यक्तित्व की खोज, प्रकृति के लय का उल्लास, जीवन दर्शन) □ **संरचना शिल्प** (रस, छंद, अलंकार, भाषा–शैली) □ **काव्य पाठ एवं व्याख्याः** 1. कलगी बाजरे की। 2. हरी घास पर क्षण भर। 3. यह दीप अकेला।	
III	**गजानन माधव 'मुक्तिबोध' :** **जीवन परिचय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** □ **मुक्तिबोध के काव्य की अंतर्वस्तु** (साहित्य सम्बन्धी विचार, कविताओं में व्यक्त राजनीति, सामाजिक यथार्थ की अभिव्यक्ति, भीतरी और बाहरी संघर्ष का चित्रण) □ **संरचना शिल्प** (काव्य रूप, भाषा–शैली, छंद–विधान) □ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. अँधेरे में। 2. मैं तुम लोगों से दूर हूँ। 3. सत्य के गर्वीले अन्याय न सह।	15
IV	**वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' :** **जीवन परिचय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** □ **नागार्जुन के काव्य की अंतर्वस्तु** (सामंती व्यवस्था के ख़िलाफ, जीवन की विसंगतियों एवं अंतर्विरोधों का चित्रण, राजनीतिक व्यंग की कविताएँ, निजी जीवन प्रसंगों पर लिखी कविताएँ, प्रकृति चित्रण) □ **संरचना शिल्प** (काव्य रूप, भाषा–शैली, छंद–विधान) □ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. अकाल और उसके बाद। 2. बादल को घिरते देखा है। 3. कालिदास।	15
V	**केदारनाथ अग्रवाल :** **जीवन परिचय : व्यक्तित्व एवं कृतित्व** □ **केदारनाथ अग्रवाल के काव्य की अंतर्वस्तु** (ऐतिहासिक चेतना और राजनीतिक कविताएँ, सामाजिक यथार्थ और श्रम सौन्दर्य का चित्रण, परिवेश और प्रकृति के प्रति लगाव, प्रेम सम्बन्धी कविताएँ) □ **संरचना शिल्प** (काव्य रूप, भाषा शैली, छंद–विधान) □ **काव्य पाठ एवं व्याख्याः** 1. माँझी न बजाओ बंसी। 2. चन्दनवा चैती गाता है। 3. मैंने प्रेम अचानक पाया।	15

सन्दर्भ ग्रंथ –

- अज्ञेय : सृजन और संघर्ष – डॉ० रामकमल राय
- 'अज्ञेय' – डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिन्दी के साहित्य निर्माता 'अज्ञेय' – प्रभाकर माचरे
- प्रगतिशील काव्य धारा और केदारनाथ अग्रवाल – डॉ० रामविलास शर्मा
- केदारनाथ अग्रवाल – सं० अजय तिवारी
- 'मुक्तिबोध' की काव्य प्रक्रिया – अशोक चक्रधर
- मुक्तिबोध : कवि कथाकार – प्रो० सुरिंदर प्रताप
- 'नागार्जुन' और उनकी कविता – अजय तिवारी
- 'मुक्तिबोध' – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- नई कविता – डॉ० जगदीश गुप्त
- नई कविता के प्रतिमान – डॉ० राजेंद्र प्रताप वर्मा
- कविता के नए प्रतिमान – डॉ० नामवर सिंह

वृहद शोध परियोजना (3rd & 4th सेमेस्टर)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	तृतीय / नवम & चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A010907R**
प्रश्न–पत्र	पंचम् (वृहद शोध परियोजना)
क्रेडिट	**04**
अधिकतम अंक	**100**
न्यूनतम अंक	**40**
कालांश / व्याख्यान	सत्रीय परीक्षण

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 4th सेमेस्टर (हिन्दी भाषा एवं लिपि)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A011001T**
प्रश्न–पत्र	प्रथम (प्रथम विकल्प) हिन्दी भाषा एवं लिपि
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**हिन्दी भाषा : परिचय** 1. हिन्दी भाषा का स्वरूप 2. हिन्दी भाषा की उत्पत्ति 3. हिन्दी भाषा का नामकरण 4. हिन्दी भाषा का क्षेत्र 5. हिन्दी भाषा की विशेषताएँ **हिन्दी भाषा : विविध रूप** 1. मातृभाषा 2. सर्जनात्मक भाषा 3. संचार भाषा 4. संपर्क भाषा 5. राष्ट्रभाषा 6. राजभाषा	20

II	**हिन्दी ध्वनि :** □ वर्ण का स्वरूप □ हिन्दी के वर्ण □ अनुस्वार और अनुनासिक □ पञ्चमाक्षर और अनुस्वार □ वर्णों का उच्चारण स्थान □ बलाघात □ उच्चारण की विशेष अशुद्धियाँ और उनका निदान	10
III	**हिन्दी वर्णमाला : वर्तनी और विराम चिन्ह** □ ध्वनि और लिपि □ हिन्दी में लिपि चिन्ह □ हिन्दी वर्तनी के महत्वपूर्ण नियम □ विराम चिन्हों का प्रयोग और नियम □ वर्तनी की विशेष अशुद्धियाँ और उनका निदान	15
IV	□ **शब्द रचना :** 1. शब्द भेद 2. उपसर्ग 3. प्रत्यय 4. विशेष्य और विशेषण 5. समास □ **सामासिक पदों की सूची** □ **हिन्दी शब्द सम्पदा :** 1. तद्भव 2. तत्सम 3. देशज 4. आगत	15
V	□ **भाषा और लिपि : परस्पर सम्बन्ध** 1. लिपि की उत्पत्ति 2. लिपि की परिभाषा □ **देवनागरी लिपि : उद्भव तथा विकास** 1. देवनागरी अक्षरों का क्रमिक विकास 2. देवनागरी अंकों का क्रमिक विकास 3. देवनागरी का वर्तमान स्वरूप 4. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता 5. देवनागरी लिपि का मानकीकरण 6. देवनागरी लिपि के गुण 7. देवनागरी लिपि की समस्याएँ (दोष एवं त्रुटियाँ)	15

सन्दर्भ ग्रंथ –

□ हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास – डॉ० उदयनारायण तिवारी

□ हिन्दी भाषा – डॉ० भोलानाथ तिवारी

- हिन्दी भाषा – डॉ० हरदेव बाहरी
- भाषा विज्ञान रसायन – डॉ० कैलाशनाथ पाण्डेय
- हिन्दी व्याकरण : स्वरूप और विकास – प्रो० जगदम्बा प्रसाद दुबे
- हिन्दी व्याकरण – आचार्य कामता प्रसाद गुरु
- हिन्दी शब्दानुशासन – आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
- हिन्दी भाषा साहित्य और लिपि – डॉ० कन्हैया सिंह
- हिन्दी भाषा और लिपि का विकास – डॉ० भवानी इन्दर उप्रेती
- हिन्दी भाषा का विकास – प्रो० शर्वेश पाण्डेय
- हिन्दी भाषा – डॉ० जगदीश नारायण पंकज
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ० वासुदेव नंदन प्रसाद

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 4th सेमेस्टर (प्रयोजनमूलक हिन्दी और कंप्यूटर)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A011002T**
प्रश्न–पत्र	प्रथम (द्वितीय विकल्प) प्रयोजनमूलक हिन्दी और कंप्यूटर
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र** ☐ प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय ☐ उद्देश्य एवं क्षेत्र ☐ प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख व्यावहारिक रूप ☐ प्रयोजनमूलक हिन्दी की संभावनाएँ	15
II	**कामकाजी हिन्दी : पत्राचार की हिन्दी** ☐ कार्यालयी पत्राचार ☐ आवेदन पत्र ☐ सरकारी पत्र ☐ अर्ध–सरकारी पत्र ☐ कार्यालय आदेश ☐ परिपत्र ☐ अधिसूचना	15

	☐ कार्यालय ज्ञापन ☐ विज्ञापन ☐ निविदा ☐ संकल्प ☐ प्रेस–विज्ञप्ति ☐ प्रारूपण ☐ टिप्पण ☐ संक्षेपण ☐ पल्लवन एवं प्रतिवेदन	
III	☐ **प्रयोजनमूलक हिन्दी : पारिभाषिक शब्दावली** 1. पारिभाषिक शब्द का अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा 2. पारिभाषिक शब्द निर्माण के सिद्धांत ☐ **पारिभाषिक शब्दावली निर्माण सम्बन्धी वाद :** 1. संस्कृतवादी 2. अंतरराष्ट्रीयवादी 3. लोकवादी 4. समन्वयवादी ☐ **पारिभाषिक शब्द रचना विधि :** 1. वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली 2. ज्ञान विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली 3. प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली	15
IV	**हिन्दी भाषा और कंप्यूटर :** ☐ कंप्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास ☐ कंप्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास ☐ कंप्यूटर में हिन्दी का भविष्य ☐ इंटरनेट और हिन्दी, ई–मेल ☐ हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट ☐ सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	15
V	☐ **हिन्दी भाषा और ई–शिक्षण :** 1. इंटरनेट पर उपलब्ध पत्र–पत्रिकाएँ 2. इंटरनेट पर उपलब्ध दृश्य–श्रव्य सामग्री 3. ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई–पुस्तकालय सामग्री 4. सरकारी तथा गैर–सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई–पाठशाला, स्वयं मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएँ ☐ **हिन्दी कंप्यूटर टंकण :** 1. हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉन्ट 2. यूनिकोड 3. स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी 4. हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण	15

	सन्दर्भ ग्रंथ – □ प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ० विनोद गोदरे □ प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ० कैलाशचंद्र भाटिया □ प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कंप्यूटिंग – डॉ० संजीव कुमार जैन □ आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन □ हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास – अर्जुन तिवारी □ हिन्दी भाषा और कंप्यूटर – संतोष गोयल □ प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ० शर्वेश पाण्डेय □ प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे □ प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप – कैलाशचंद्र भाटिया □ प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयुक्ति और अनुवाद – डॉ० माधव सोनटकके	

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 4th सेमेस्टर (राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A011003T**
प्रश्न–पत्र	द्वितीय (प्रथम विकल्प) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)(अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा :** 1. राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा का उद्भव एवं विकास 2. उद्भवकालीन परिस्थितियाँ 3. राष्ट्रीयता का आंदोलन और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस **राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य धारा की विशेषताएँ :** 1. गौरवशाली अतीत का गान 2. पराधीनता के प्रति क्षोभ 3. विद्रोह पूर्ण उद्बोधन 4. सामाजिक समस्याओं के प्रति सुधारवाद का स्वर	15
II	**माखनलाल चतुर्वेदी :** 1. जन्म और बचपन 2. शिक्षा और संस्कार 3. महापुरुषों का प्रभाव	15

	4. जेल यात्रा – राष्ट्र सेवा 5. काव्य सृजन 6. भाषा एवं शैली □ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. पुष्प की अभिलाषा 2. सिपाही 3. कैदी और कोकिला 4. अमर राष्ट्र	
III	□ **सुभद्रा कुमारी चौहान :** 1. जन्म और बचपन 2. शिक्षा और संस्कार 3. राष्ट्रीय प्रखर प्रेम 4. राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की हिस्सेदारी 5. काव्य सृजन 6. भाषा एवं शैली □ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. प्रियतम से 2. मेरा गीत 3. मेरा नया बचपन 4. झाँसी की रानी	15
IV	□ **पं० श्याम नारायण पाण्डेय :** 1. जन्म और बचपन 2. शिक्षा और संस्कार 3. महाकवि 'हरिऔध' का प्रभाव 4. वीर रस के अवतार 5. काव्य सृजन 6. भाषा एवं शैली □ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. जौहर : प्रथम सर्ग : परिचय 2. हल्दीघाटी : द्वादश सर्ग	15
V	□ **रामधारी सिंह 'दिनकर' :** 1. जन्म और बचपन 2. शिक्षा और संस्कार 3. अपने समय के 'सूर्य' 4. दिनकर की राष्ट्रीय भावना 5. कुरुक्षेत्र की सृजन प्रेरणा 6. भाषा एवं शैली □ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. कुरुक्षेत्र : षष्ठ सर्ग	15

सन्दर्भ ग्रंथ –

□ छायावादी काव्य में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना – डॉ० रविन्द्र दरगन

□ आधुनिक कविता : सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य – डॉ० कन्हैया सिंह

- हिन्दी कविता में युगांतर – डॉ० सुधीन्द्र
- आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना – डॉ० सुधाकर शंकर कलवड़े
- हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना – डॉ० विद्यानाथ गुप्त
- परशुराम की प्रतीक्षा – रामधारी सिंह 'दिनकर'
- हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – मुरारीलाल शर्मा
- माखनलाल चतुर्वेदी ग्रंथावली – श्रीकांत जोशी
- दिनकर रचनावली – नंद किशोर नवल
- हल्दीघाटी – पं० श्याम नारायण पाण्डेय
- कुरुक्षेत्र – रामधारी सिंह 'दिनकर'

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 4th सेमेस्टर (विविध गद्य विधाएँ)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A011004T**
प्रश्न–पत्र	द्वितीय (द्वितीय विकल्प) विविध गद्य विधाएँ
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)(अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**हिन्दी गद्य की विविध विधाएँ :** □ हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय (नाटक, कहानी, उपन्यास, निबंध) □ हिन्दी गद्य की गौण विधाओं का संक्षिप्त परिचय (रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, डायरी, आलोचना, साक्षात्कार, आत्मकथा, जीवनी, व्यंग्य)	15
II	□ **रेखाचित्र और संस्मरण :** 1. रेखाचित्र का अर्थ एवं परिभाषा 2. रेखाचित्र का उद्भव और विकास 3. संस्मरण का अर्थ एवं परिभाषा 4. संस्मरण का उद्भव और विकास 5. रेखाचित्र एवं संस्मरण लेखन क्षेत्र में महादेवी वर्मा का योगदान	15

	वाचन एवं व्याख्या : 1. 'भक्तिन' : रेखाचित्र (महादेवी वर्मा) 2. 'ठकुरी बाबा' : संस्मरण (महादेवी वर्मा)	
III	**जीवनी और आत्मकथा :** 1. जीवनी का अर्थ एवं परिभाषा 2. जीवनी का उद्‌भव और विकास 3. आत्मकथा का अर्थ एवं परिभाषा 4. आत्मकथा का उद्‌भव और विकास 5. जीवनी एवं आत्मकथा लेखन के क्षेत्र में विष्णु प्रभाकर एवं हरिवंश राय 'बच्चन' का योगदान **वाचन एवं व्याख्या :** 1. 'आवारा मसीहा' : जीवनी (विष्णु प्रभाकर) 2. 'बसेरे से दूर' : आत्मकथा (हरिवंश राय 'बच्चन')	15
IV	**यात्रावृत्त और रिपोर्ताज :** 1. यात्रावृत्त का अर्थ एवं परिभाषा 2. यात्रावृत्त का उद्‌भव और विकास 3. रिपोर्ताज का अर्थ एवं परिभाषा 4. रिपोर्ताज का उद्‌भव और विकास 5. यात्रावृत्त और रिपोर्ताज लेखन के क्षेत्र में पं० राहुल सांकृत्यायन एवं विवेकी राय का योगदान **वाचन एवं व्याख्या :** 1. 'मेरी तिब्बत यात्रा' : यात्रावृत्त (पं० राहुल सांकृत्यायन) 2. 'सावधान गाँवों में शहर आ पहुँचा' : रिपोर्ताज (विवेकी राय)	15
V	**व्यंग्य, डायरी एवं साक्षात्कार :** 1. व्यंग्य विधा का अर्थ एवं परिभाषा 2. व्यंग्य विधा का उद्‌भव एवं विकास 3. डायरी विधा का अर्थ एवं परिभाषा 4. डायरी विधा का उद्‌भव और विकास 5. साक्षात्कार विधा का अर्थ एवं परिभाषा 6. साक्षात्कार विधा का उद्‌भव और विकास 7. व्यंग्य एवं डायरी लेखन के क्षेत्र में हरिशंकर परसाई एवं गजानन माधव 'मुक्तिबोध' का योगदान **वाचन एवं व्याख्या :** 1. 'भोलाराम का जीव' : व्यंग्य (हरिशंकर परसाई) 2. 'एक लेखक की डायरी' : डायरी (मुक्तिबोध)	15

पाठ्य पुस्तक – गद्य विविधा

संपादक – प्रो० मो० हसीन खान, श्री गांधी पी० जी० कॉलेज मालटारी आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- हिन्दी साहित्य का इतिहास – सं० डॉ० नगेन्द्र
- हिन्दी गद्य का साहित्य – डॉ० रामचंद्र तिवारी

- अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा
- स्मृति की रेखाएँ – महादेवी वर्मा
- विधा विविधा – डॉ० ओमप्रकाश सिंहल
- हिन्दी रेखाचित्र – डॉ० बच्चन सिंह
- प्रगति और परंपरा – डॉ० रामविलास शर्मा
- प्रकीर्णिका – बालकृष्ण एवं श्रीराम शर्मा
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ० बच्चन सिंह
- हिन्दी गद्य शैली का विकास – श्रीकृष्ण लाल

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 4th सेमेस्टर (समकालीन काव्य धारा)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A011005T**
प्रश्न–पत्र	तृतीय (प्रथम विकल्प) समकालीन काव्य धारा
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)(अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**समकालीन कविता : स्वरूप और विकास** □ प्रगतिशील यथार्थ की धारा □ प्रयाग के परिमल विचार मंच से जुड़े कवि □ तारसप्तक के कवि □ स्वाधीनता आंदोलन से जुड़े कवि □ नवगीत आंदोलन □ अकविता आंदोलन □ विचार कविता आंदोलन □ समकालीन विद्रोही कविता	15
II	**शमशेर बहादुर सिंह :** □ जीवन परिचय □ युगीन परिवेश	15

	☐ काव्य सृजन ☐ काव्य संवेदना ☐ अभिव्यंजना शिल्प ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. प्रेम 2. बात बोलेगी 3. निराला के प्रति 4. एक पीली शाम	
III	**सर्वेश्वर दयाल सक्सेना :** ☐ जीवन परिचय ☐ युगीन परिवेश ☐ काव्य सृजन ☐ काव्य संवेदना ☐ अभिव्यंजना शिल्प ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. प्रार्थना 2. उठ मेरी बिटिया 3. सुबह हो गयी 4. माँ की याद	15
IV	**रघुवीर सहाय :** ☐ जीवन परिचय ☐ युगीन परिवेश ☐ काव्य सृजन ☐ काव्य संवेदना ☐ अभिव्यंजना शिल्प ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. आज की कविता 2. पढ़िए गीता 3. बसंत 4. हमारी हिन्दी	15
V	**सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' :** ☐ जीवन परिचय ☐ युगीन परिवेश ☐ काव्य सृजन ☐ काव्य संवेदना ☐ अभिव्यंजना शिल्प ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1. मोचीराम 2. रोटी और संसद 3. शब्द जहाँ सक्रिय हैं	15

	4. बीस साल बाद	

सन्दर्भ ग्रंथ –

- रघुवीर सहाय का कवि कर्म – डॉ० सुरेश शर्मा
- सर्वेश्वर और उनकी कविता – डॉ० कृष्णदत्त पालीवाल
- समकालीन कविता यात्रा – प्रो० नंदकिशोर नवल
- समकालीन कविता का यथार्थ – डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव
- समसामयिकता और आधुनिक हिन्दी कविता – डॉ० रघुवंश
- समकालीन कविता का व्याकरण – डॉ० परमानन्द श्रीवास्तव
- समकालीन हिन्दी कविता – डॉ० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- कविता का वैचारिक वर्तमान – डॉ० सुखबीर सिंह
- संसद से सड़क तक – धूमिल
- दूसरे प्रजातंत्र की तलाश में 'धूमिल' – कृष्णकुमार
- कवियों का कवि शमशेर – रंजना अरगड़े

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 4th सेमेस्टर (नवगीत)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A011006T**
प्रश्न–पत्र	तृतीय (द्वितीय विकल्प) नवगीत
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (3 व्याख्या + 2 प्रश्न)(अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**नवगीत : पृष्ठभूमि और परिप्रेक्ष्य** □ नवगीत का अर्थ एवं परिभाषा □ नवगीत के तत्व □ नवगीत के प्रमुख प्रतिमान □ जातीय और भारतीयता बोध □ लोक सम्पृक्ति, प्रकृति प्रेम □ स्त्री चेतना, भाषाई चेतना	15
II	**नवगीतकार : डॉ० शम्भुनाथ सिंह** □ जीवन परिचय □ नवगीत सृजन □ नवगीत संवेदना □ अभिव्यंजना शिल्प □ **नवगीत पाठ एवं व्याख्या :**	15

	1. समय की शिला पर 2. मुझको क्या क्या नहीं मिला 3. वक़्त की मीनार पर सोन हँसी हँसते हैं लोग	
III	**नवगीतकार : माहेश्वर तिवारी** □ जीवन परिचय □ नवगीत सृजन □ नवगीत संवेदना □ अभिव्यंजना शिल्प □ **नवगीत पाठ एवं व्याख्या :** 1. सोये हैं पेड़ 2. झील का ठहरा हुवा जल 3. याद तुम्हारी 4. फागुन का रथ 5. बहुत दिनों के बाद	15
IV	**नवगीतकार : श्रीकृष्ण तिवारी** □ जीवन परिचय □ नवगीत सृजन □ नवगीत संवेदना □ अभिव्यंजना शिल्प □ **नवगीत पाठ एवं व्याख्या :** 1. मीठी लगने लगी नीम की पत्ती 2. कुछ के रुख दक्षिण 3. वक़्त की आवाज पर 4. बाँस वनों से गूँज सीटियों की आई	15
V	**नवगीतकार : डॉ० उमाशंकर तिवारी** □ जीवन परिचय □ नवगीत सृजन □ नवगीत संवेदना □ अभिव्यंजना शिल्प □ **नवगीत पाठ एवं व्याख्या :** 1. खूबसूरत घर 2. आ गए कुहरे भरे दिन 3. शाम की रंगीनियाँ 4. जो हवा में है	15
पाठ्य पुस्तक – नवगीतधारा **संपादक – प्रो० शिखा तिवारी,** हिन्दी विभाग, डी०सी०एस०के० पी०जी० कॉलेज, मऊ		
सन्दर्भ ग्रंथ – □ नवगीत दशक – सं० शम्भुनाथ सिंह		

- हिन्दी नवगीत : सन्दर्भ और सार्थकता – सं० डॉ० वेदप्रकाश अमिताभ, डॉ० रंजना शर्मा
- गीत का आकाश – वशिष्ठ अनूप
- नवगीत अर्धशती – डॉ० शम्भुनाथ सिंह
- नवगीत संवेदना और शिल्प – डॉ० सत्येंद्र शर्मा
- आज का गीत : एक नई प्रतिक्रिया – डॉ० रामदरश मिश्र
- नया हिन्दी गीत सम्बोधन – माहेश्वर तिवारी
- वातायन – डॉ० रवींद्र भ्रमर
- नवगीत की संवेदना – डॉ० शिखा तिवारी
- समकालीन गीत सोहराई – 'नचिकेता' गणेश गंभीर

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 4th सेमेस्टर (लोक साहित्य)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A011007T**
प्रश्न–पत्र	चतुर्थ (प्रथम विकल्प) लोक साहित्य
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**लोक साहित्य की रूप रेखा :** □ लोक साहित्य का अर्थ एवं परिभाषा □ लोक वार्ता, लोक संस्कृति □ लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अंतर □ लोक साहित्य का अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध □ लोक साहित्य के प्रमुख संग्रह कर्ता □ लोक साहित्य का राष्ट्रीय जीवन के पुनर्निर्माण में महत्व	15
II	**लोकगीत :** □ **लोकगीत की अवधारणा :** 1. लोकगीत का अर्थ 2. लोकगीत की परिभाषा 3. लोकगीत के प्रमुख तत्व 4. लोकगीत की विशेषताएँ	15

	□ **लोकगीतों का वर्गीकरण :** 1. पं० रामनरेश त्रिपाठी का वर्गीकरण 2. सूर्यकरण पारीक का वर्गीकरण 3. डॉ० सत्येन्द्र का वर्गीकरण 4. डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय का वर्गीकरण □ **विविध लोकगीत :** 1. संस्कार गीत 2. व्रत गीत 3. श्रम गीत 4. ऋतु गीत 5. जाति गीत	
III	**लोककथा :** □ लोककथा : श्रोत ग्रन्थ □ लोककथा : परिभाषा □ लोककथा : विशेषताएँ □ **लोककथा : वर्गीकरण** 1. पाश्चात्य विद्वान 2. भारतीय विद्वान □ लोककथा सम्बन्धी पारिभाषिक शब्द : (फेबुल, फेयरी, लीजेंड, मिथ, मोटिफ, टाइप) □ प्रमुख लोक कथाएँ : (पशु–पक्षी सम्बन्धी, व्रत कथा, उपदेश कथा, भूतों की कथा, परियों की कथा, अन्य कथाएँ) **लोकगाथा :** □ लोकगाथा : परिभाषा □ लोकगाथा : उत्पत्ति का सिद्धांत □ लोकगाथा : वर्गीकरण □ लोककथा और लोकगाथा में अंतर □ **प्रमुख लोक गाथाएँ :** 1. ढोला मारू 2. गोपीचंद भरथरी 3. लोरिकायन 4. हीर राँझा 5. सोहनी महिवाल 6. लोरिक चाँदा 7. आल्हा हरदौल 8. नल दमयंती	15
IV	□ **लोकनाटक (नाट्य) :** 1. लोकनाटक : परिभाषा 2. लोकनाटक : उत्पत्ति, विकास और परंपरा 3. लोकनाटक : विशेषताएँ 4. लोकनाटक : प्रमुख तत्व	15

	□ **प्रचलित लोकनाटक :** 1. (रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, विदेशिया, माच, भाँड़ प्रथा, तमासा, जात्रा, नौटंकी, अंकिया, जट–जटिन, हिन्दी रंगमंच और लोकनाटक)	
V	**लोक साहित्य के गौण रूप :** □ लोकोक्ति □ मुहावरा □ पहेली □ ढकोसला □ पालने के गीत □ बालगीत □ खेल के गीत □ अन्य गीत	15

पाठ्य पुस्तक – लोकसाहित्य

संपादक – प्रो० विजय कुमार, हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- □ लोक साहित्य की भूमिका – डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय
- □ भारतीय लोक साहित्य – डॉ० श्याम परवार
- □ लोक साहित्य की रूप–रेखा – डॉ० सत्यनारायण दुबे सरतेन्दु
- □ लोक साहित्य विमर्श – डॉ० द्विजराम यादव
- □ लोक वार्ता विज्ञान – डॉ० सत्येंद्र
- □ हमारा ग्राम साहित्य (भाग एक, दो, तीन) – पं० रामनरेश त्रिपाठी
- □ अवधी लोक गीत – डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय
- □ लोकधर्मी नाट्य परंपरा और भिखारी ठाकुर – स्वाति सोनल
- □ हिन्दी लोक नाटक : परंपरा और नाट्य रूढ़ियाँ – सुरेश अवस्थी
- □ लोकगाथा का स्वरूप विकास – प्रो० पवन अग्रवाल
- □ लोक साहित्य का वर्तमान – डॉ० कुंदनलाल उप्रेती

एम० ए० द्वितीय वर्ष : 4th सेमेस्टर (भोजपुरी काव्य)

कक्षा	एम० ए० द्वितीय वर्ष
सेमेस्टर	चतुर्थ / दशम
विषय	हिन्दी
कोर्स कोड	**A011008T**
प्रश्न–पत्र	चतुर्थ (द्वितीय विकल्प) भोजपुरी काव्य
क्रेडिट	**05**
अधिकतम अंक	**25+75=100**
न्यूनतम अंक	**10+30=40**
कालांश / व्याख्यान	**75**

अंक विभाजन	
खंड (क)	10X2=20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(अधिकतम 50 शब्द)
खंड (ख)	5X5=25 लघु उत्तरीय प्रश्न(3 व्याख्या + 2 प्रश्न) (अधिकतम 200 शब्द)
खंड (ग)	2X15=30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 500 शब्द)

इकाई	पाठ्यक्रम / शीर्षक	कालांश / व्याख्यान
I	**भोजपुरी : एक परिचय : क्षेत्र और उसकी आंचलिक स्थिति** □ ''भोजपुरी'' नामकरण का कारण □ भोजपुरी क्षेत्र की आंचलिक संस्कृति (भौगोलिक परिवेश, ऐतिहासिक परिवेश, सामाजिक परिवेश, सांस्कृतिक परिवेश) □ भोजपुरी भाषा की विशेषताएँ □ भोजपुरी भाषा का विस्तार □ भोजपुरी काव्य शिल्प (रस, छंद, अलंकार)	15
II	**आधुनिक भोजपुरी कवि : परिचय** □ बिसराम, भिखारी ठाकुर, □ तेग अली, बाबू रामकृष्ण वर्मा □ दूधनाथ उपाध्याय, बाबू अम्बिका प्रसाद □ पं० बेनीराम, मनोरंजन प्रसाद सिन्हा □ रामबिचार पाण्डेय, प्रसिद्ध नारायण सिंह	15

	☐ श्याम बिहारी तिवारी, बटुकनाथ ☐ कविवर चंचरीक, श्री रघुवीर शरण ☐ दुर्गाप्रसाद सिंह, डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय, ☐ महेन्द्र मिश्र, शिवमंगल सिंह 'मानव' ☐ अशान्त, शिवप्रसाद मिश्र 'रूद्र' या गुरु बनारसी	
III	➢ **विश्वनाथ प्रसाद 'शैदा' :** ☐ जीवन परिचय ☐ व्यक्तित्व एवं कृतित्व ☐ काव्यगत वैशिष्ट्य ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1) कजली : ▪ रहलीं करत दूध के कुल्ला ▪ चलीं जा सखी ▪ बागे बिहने चले के 2) किसान ➢ **मोती बी०ए० :** ☐ जीवन परिचय ☐ व्यक्तित्व एवं कृतित्व ☐ काव्यगत वैशिष्ट्य ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1) मृगतृष्णा 2) आस के एक दीया 3) सेमर के फूल	15
IV	➢ **पं० चंद्रशेखर मिश्र :** ☐ जीवन परिचय ☐ व्यक्तित्व एवं कृतित्व ☐ काव्यगत वैशिष्ट्य ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1) द्रौपदी खंड काव्य (भाग सप्तम) ➢ **रामजियावन दास 'बावला' :** ☐ जीवन परिचय ☐ व्यक्तित्व एवं कृतित्व ☐ काव्यगत वैशिष्ट्य ☐ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1) होई जाई देसवा मसान हो विधाता 2) किसनवा के बेटा 3) चल तहसील कचहरी चल	15

V	➢ **डॉ० कमलेश राय :** ▪ जीवन परिचय ▪ व्यक्तित्व एवं कृतित्व ▪ काव्यगत वैशिष्ट्य ▪ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1) तुलसी चउरा 2) सबेरे भोरे 3) बेटा हवे मजूर के ➢ **डॉ० ईश्वरचंद्र त्रिपाठी :** ▪ जीवन परिचय ▪ व्यक्तित्व एवं कृतित्व ▪ काव्यगत वैशिष्ट्य ▪ **काव्य पाठ एवं व्याख्या :** 1) शकुंतला : खंड काव्य : तृतीय सर्ग	15

पाठ्य पुस्तक – भोजपुरी काव्य कौस्तुभ

संपादक – प्रो० जगदम्बा प्रसाद दुबे, हिन्दी विभाग, डी०ए०वी० पी०जी० कॉलेज, आजमगढ़

सन्दर्भ ग्रंथ –

- भोजपुरी साहित्य : प्रगति की पहचान – डॉ० विवेकी राय
- भोजपुरी ग्राम गीत – डॉ० कृष्णदेव उपाध्याय
- ग्राम गीत – डॉ० रामनरेश त्रिपाठी
- तोहरो बिहान दाँव पर – डॉ० कमलेश राय
- अइसन आज कबीर कहाँ – डॉ० कमलेश राय
- भोजपुरी के कवि और काव्य : श्री दुर्गाशंकर प्रसाद मिश्र – सं० डॉ० विश्वनाथ प्रसाद
- आज क भोजपुरी किताब : गीत संग्रह – पं० कुबेरनाथ मिश्र 'विचित्र'
- कुबेर कविताई – पं० कुबेरनाथ मिश्र 'विचित्र'
- भोजपुरी भाषा : साहित्य और संस्कृति – डॉ० विजय कुमार
- कविता कौमुदी : भाग पाँच – डॉ० रामनरेश त्रिपाठी